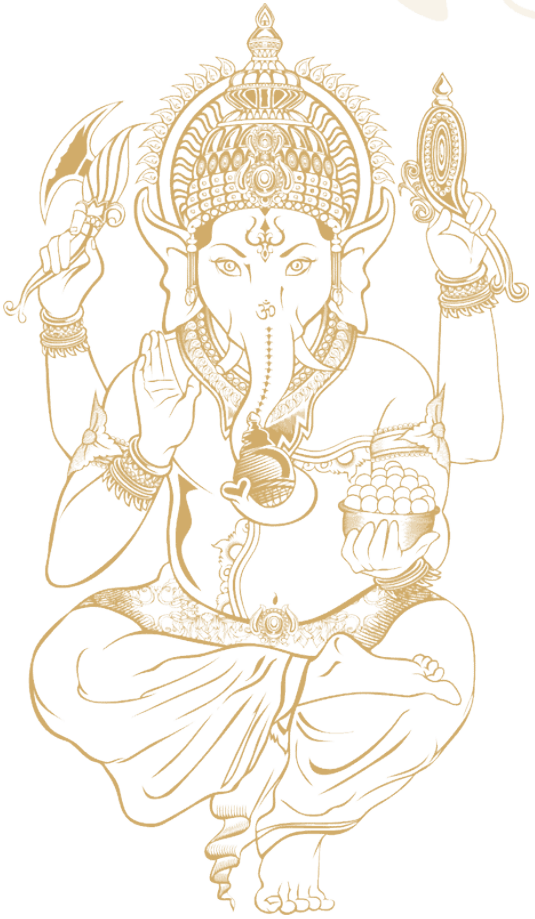

Mr.

13 Oct 1998

08:39 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121540903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/10/1998**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:39:59 घंटे**
इष्ट	05:48:15 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:18:51 घंटे
वेलान्तर	00:13:40 घंटे
साम्पातिक काल	09:44:47 घंटे
सूर्योदय	06:20:41 घंटे
सूर्यास्त	17:53:55 घंटे
दिनमान	11:33:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:44:38 कन्या
लग्न के अंश	24:56:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुस्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:56:57	307:12:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	25:44:38	00:59:24	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	03:51:30	13:02:35	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			सिंह	09:35:11	00:36:29	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	07:45:46	01:33:58	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	25:56:41	00:05:53	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र		अ	कन्या	21:21:05	01:15:02	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मेष	07:09:55	00:04:39	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु			सिंह	06:30:18	00:00:44	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	06:30:18	00:00:44	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	14:59:11	00:00:17	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:32:51	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:21:17	00:01:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	00:02:29	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:14

लग्न-चलित

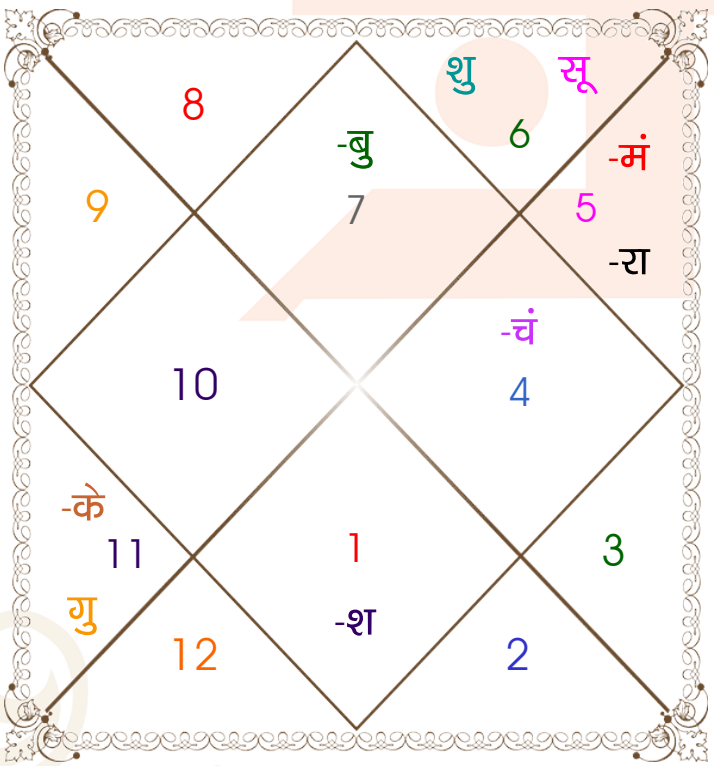

चन्द्र कुंडली

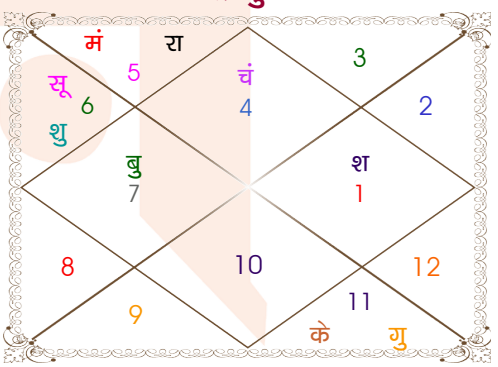

नवमांश कुंडली

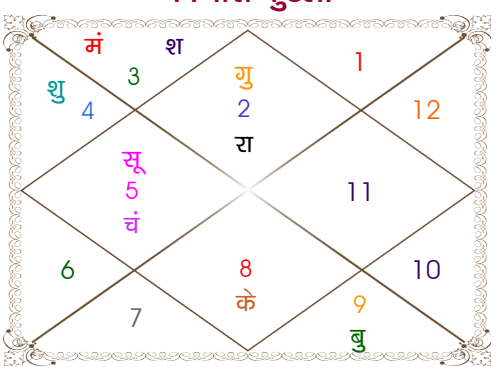

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 3 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
13/10/1998		12/01/2017		13/01/2034		12/01/2041		12/01/2061	
12/01/2017		13/01/2034		12/01/2041		12/01/2061		13/01/2067	
शनि	15/01/2001	बुध	11/06/2019	केतु	11/06/2034	शुक्र	14/05/2044	सूर्य	02/05/2061
बुध	26/09/2003	केतु	07/06/2020	शुक्र	11/08/2035	सूर्य	14/05/2045	चंद्र	01/11/2061
केतु	03/11/2004	शुक्र	08/04/2023	सूर्य	17/12/2035	चंद्र	13/01/2047	मंगल	08/03/2062
शुक्र	04/01/2008	सूर्य	13/02/2024	चंद्र	17/07/2036	मंगल	14/03/2048	राहु	31/01/2063
सूर्य	16/12/2008	चंद्र	14/07/2025	मंगल	13/12/2036	राहु	15/03/2051	गुरु	19/11/2063
चंद्र	17/07/2010	मंगल	11/07/2026	राहु	31/12/2037	गुरु	13/11/2053	शनि	31/10/2064
मंगल	26/08/2011	राहु	28/01/2029	गुरु	07/12/2038	शनि	12/01/2057	बुध	07/09/2065
राहु	02/07/2014	गुरु	06/05/2031	शनि	16/01/2040	बुध	13/11/2059	केतु	13/01/2066
गुरु	12/01/2017	शनि	13/01/2034	बुध	12/01/2041	केतु	12/01/2061	शुक्र	13/01/2067

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/01/2067		12/01/2077		13/01/2084		14/01/2102		14/01/2118	
12/01/2077		13/01/2084		14/01/2102		14/01/2118		00/00/0000	
चंद्र	13/11/2067	मंगल	11/06/2077	राहु	25/09/2086	गुरु	03/03/2104	शनि	14/10/2118
मंगल	13/06/2068	राहु	29/06/2078	गुरु	18/02/2089	शनि	14/09/2106		00/00/0000
राहु	13/12/2069	गुरु	05/06/2079	शनि	26/12/2091	बुध	20/12/2108		00/00/0000
गुरु	14/04/2071	शनि	14/07/2080	बुध	14/07/2094	केतु	26/11/2109		00/00/0000
शनि	13/11/2072	बुध	11/07/2081	केतु	02/08/2095	शुक्र	27/07/2112		00/00/0000
बुध	14/04/2074	केतु	07/12/2081	शुक्र	02/08/2098	सूर्य	15/05/2113		00/00/0000
केतु	13/11/2074	शुक्र	06/02/2083	सूर्य	26/06/2099	चंद्र	14/09/2114		00/00/0000
शुक्र	14/07/2076	सूर्य	14/06/2083	चंद्र	26/12/2100	मंगल	21/08/2115		00/00/0000
सूर्य	12/01/2077	चंद्र	13/01/2084	मंगल	14/01/2102	राहु	14/01/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।